Goonj

Submitted to:

1. *Payal Nagpal mam*
2. *Ankan Dhar sir*
3. *Ruchi Kalita mam*

CREW MEMBERS:

Co-ordinators:

- ***Aditi yadav***
- ***Manisha***

Directors:

- ***Laiba Hasan***
- ***Farheen naaz***

Script writers:

- ***Shambhavi jha***
- ***Priya mittal***

Actors:

- ***Pavitra as Narrator***
- ***Muskan as Rajjo***
- ***Aditi yadav as Baabu***
- ***Kalash deshwal as sub-inspector***
- ***Priya mittal as inspector***
- ***Shambhavi jha as neighbour 1***
- ***Divya as neighbour 2***
- ***Farheen Naaz as neighbour 3***
- ***Kirti Singh as daughter of neighbour 3***
- ***Manisha as kishori***
- ***Laiba Hasan as Mannu***

Script (Group-B)

Narrator: ये कहानी है मध्यप्रदेश के एक छोटे से गाँव दुल्लोपुर की.... जहाँ सीमा नाम की एक लड़की गायब हो गयी है... जहाँ घरवालों का मानना है कि उसका अपहरण हुआ है, वहीं पुलिस वालों की कुछ और ही सोच है।

Scene-1

(Scene set in Seema's home)

Rajjo- सीमा!सीमा! कहा चली गयी? हमारी लड़की मिल ना रही है! पूरा घर देख लिया, हमारी बच्ची नही है।

Baabu- कल रात को तो वो यही पर सोई थी।

Rajjo- मुझे लगता है कोई उसे उठा कर तो ना ले गया?

Baabu-हमें थाने में रिपोर्ट लिखवानी चाहिए।

Rajjo- पुलिस वाले हमारी मदद ना करने वाले जी!

Baabu- एक बार कोशिश करके देखते हैं ।

Rajjo- हां ,हां ठीक है।

(Narrator- थोड़ी सी आस रखे ही सही...बाबू पुलिस थाने जाता है।)

(**Conversation between father and inspector)**

Baabu- साहब, साहब

Sub Inspector- हां बोलो

Baabu-हमारी बेटी रात को घर पर थी और सुबह गायब हो गई, हमें बुरा शक है कोई उठाकर लेकर गयो है।

Sub inspector -लड़की का नाम

Baabu-सीमा

Sub inspector- तुम्हारा नाम

Baabu- बाबू

Junior inspector-कहां से हो तुम

Baabu-दूल्लोपूर गांव।

Sub inspector-अच्छा तुम वहां से आए हो जिसका लड़का 1 साल पहले नक्सली हमले में मारा गया था और उसकी लड़की 1 महीने पहले घर से भाग गई थी।

Baabu-हां साहब, मेरे ही बच्चे है वो ।

Sub inspector-चलो बड़े साहब के पास अब वही बताएंगे।

(Sub inspector takes baabu to the Inspector's cabin)

Sub inspector - साहब

Inspector- हां देशवाल बोल!

Sub inspector – साहब इनका कहना है, कि इनकी बेटी का अपहरण हुआ है, यह वही बाबू है जिनका बेटा 1 साल पहले नक्सली हमले में मारा गया था और 1 महीने पहले इनकी बेटी घर से भाग गई थी।

Inspector- तुम्हें पता है इलेक्शन बहुत नजदीक है और हमें बहुत सारा काम है और तेरी बेटी इस बार भी भाग गई होगी ।

Baabu- नहीं साहब मेरे लड़की घर से भागी नहीं है उसका अपहरण ही हुआ है।

Inspector- वह तो हम पता कर ही लेंगे पर मुझे इस बार भी ऐसा ही लग रहा है।

Baabu- नहीं साहब आप एक बार मोरे साथ मोरे गांव चल कर देखें।

Inspector- वो तो हम देख लेंगे चलो देशवाल चलो इनके गांव!

(Baabu takes the police to the village)

Rajjo- साहब ,साहब ! मदद करो!हमारी बेटी को किसी ने गायब कर दिया है।

Inspector- अरे हमको तो इस बार भी लग रहा है कि तुम्हारी बेटी फिर से घर से भाग गयी है.... कोई ना उठा के गया, उसे कौन लेकर जाएं उसे......

Rajjo – नहीं साहब! एसा कुछ नाही है... जे बहाने तो ना बनाओ!

Inspector- तुम हमारे बारे में ऐसा कैसे बोल सकती, तुम्हारी लड़की को खुद तुम संभाल ना सकती... . और हमें कहती हो!

Rajjo- मेरी मौड़ी की कोई गलती नहीं है आप एक बार देखो तो साहब।

Inspector- हाँ हाँ ठीक है ! चलो , चलो देशवाल हम देखेंगे।

Scene-2

(Narrator: चलिए देखते है कि सीमा के पड़ोस में क्या चल रहा है।)

Neighbour 1- अरे जीजी! क्या हुआ है?मुझे रोने की आवाज आ रही है ,कल रात से रज्जो के यहां से ...

Neighbour 2-अरे तुम्हें नहीं पता इस बारे में! कि रज्जो की लड़की गायब हो गई है।

Neighbour 1- क्या बात कर रही हो सीमा गायब हो गई!

Neighbour 2 – हाँ बहन बड़े दुख में है बेचारे, देखे ना तुम तो जानती है कि पिछली बार इनका लड़का मारा गया मुठभेड़ में।

Neighbour 1- हां बहन इनका एक ही तो लड़का था जो नक्सलियों की भेंट चढ़ गया और ये पुलिस दरोगा सिर्फ नाम के बैठे हैं। मेरी मिंकी के साथ भी ऐसा...

Neighbour 2- क्या हुआ बहन गला भरने को आ गया तुम्हारा? क्या बात है? सब ठीक है ना?

Neighbour 1- जीजी नहीं बस मनहूस दिन याद आ गया, मेरी मिंकी जिस आर्मी वाले के यहां काम पर लगी थी..उसी ने उसके साथ छेड़खानी करनी शुरु कर दी...और जब हम दरोगा बाबू के पास पहुंचे यह निगोड़े पुलिस वाले कुर्सी तोड़ते रह गए और इन्होंने वह मामला ठंडा कर दिया। देखना इस बार भी कुछ नहीं होने वाला,बस बहन यही विनती करो कि इनकी बेटी सीमा ठीक-ठाक मिल जाए।

Neighbour 2-और कर भी क्या सके हैं जीजी, ये पुलिस वाले तो कहे है कि फिर से भाग गई होगी सीमा... . नक्सलियों के पास... ।

Neighbour 1- ऐसा कैसे बोल सके हैं ?अगर उसे गिरोह में मिलना होता तो वापस क्यों आती? यह तो बस इन के बहाने है अपने काम से पल्ला झाड़ना और हमारा नाम बदनाम करने की जीजी, मैं बता रही हूं।

Neighbour 2- शांत हो जाओ जीजी।

Neighbour 1- इसलिए भगवान ही कुछ कर सके है इस मामले में.... और कोई नहीं।

Neighbour 2 - अरे जीजी वो सब तो ठीक है... पर ये भी तो सोचो.... कि अब अगर मिल भी गयी मौड़ी... तो ब्याह कौन करेगा उससे.... ।

Neighbour 1 – मोहे वो सब न पता.... मोको ये लग रहा है कि रज्जो कितनी परेसान होगी... एक बार मिल आऊंगी...... क्या कहती हो.... .

Neighbour 2 – हाँ जीजी... मिल आना... . ।

Scene-3

(Narrator: यह तो थी एक घर की कहानी जो सीमा के नजदीक ही रहते हैं, चलिए आपको सैर एक और घर की करवाते है...जहां बहुत ही चौका देने वाला कुछ जानने को मिलता है ।)

(Scene setup in another home of Dullopur)

Neighbour 3-अजी सुनो...घर पर सब कुछ खत्म हुआ पड़ा है। आटा आज ही खत्म हो ही गया, और चावल का तो ना जाने एक दाना भी ना देखा कब से हमने। जरा लेते आओ ना।

Kishori-अरी! कहां से लेकर आऊं..... कमाई हो तो लेकर आऊं... . जे बिचौलिए हमेसा ठग के जावे। खुद तो इतनी ज्यादा दामों में बेचे ये घड़े और हम जैसे लोगन, जो मेहनत लगावे ,उन्हें उसका आधा दाम भी ना देवे।

Neighbour 3- ओहो जी अब मैं रोटी कैसे बनाऊं।

Kishori- चिंता ना कर कुछ करता हूं ,मैं कहीं से पैसे उठा लूंगा।

Neighbour 3- अच्छा जी ,ठीक है।

Daughter- मां ,बाबा मेरे स्कूल की फीस जमा करनी है।

Neighbour 3-अरे ना ना बेटा..... मने वैसे भी तुझसे बात करनी ही थी।

Daughter-क्या होया मां?

Neighbour 3-सुन मोरी लड़की.....अब वैसे भी तुझे स्कूल जाना छोड़ना होगा।

Daughter- मां ये क्या कह रही हो, मैं तो अच्छी हूं पढ़ाई में....यह तो तुम भी जानो हो, मास्टर जी भी कितनी तारीफ करते हैं मोरी।

Neighbour 3-मैं तो जानती हूं मौड़ी पर तू तो जाने ही है ना कि क्या हुआ है अभी अभी गांव में। है ना जी....

Kishori- हां बेटा तेरी मां सही बोले हैं, अभी ही देख क्या हुआ है सीमा के साथ..... ऊपर से आमदनी भी कहां हो रही है। यहां एक वक्त के खाने का गुजारा नहीं हो रहा..... फीस तो तू भूल ही जा।

Daughter- हां बाबा मैं मानती हूं कि सीमा दीदी के साथ बहुत बुरा हुआ, पर जरूरी नहीं कि हर मोड़ी को उठाकर के ले जाए...और रही बात फीस ....की तो मैं मास्टर जी से बात कर लूंगी, वो तो मन्ने इतना माने हैं कि मोरी मदद कर सके हैं।

(Mannu screaming outside)

Mannu- अरे! सुनो-सुनो सीमा पड़ी हुई मिली है।

Neighbour 3-हाय राम! यह का हो गया?

Kishori -देखा बिटिया, कह रहा था तुझे कि कितना खराब हो गया है माहौल!

(Kishori asking to Mannu)

Kishori-अरे! क्या हो गया मन्नू?

Mannu-अरे! भैया सीमा की लाश देखी है मन्ने।

Kishori-का बात कर रहे?

Mannu-अरे हां भैया! कछु समझ ना आ रहा कैसे बताऊं उसके घर वालों को?

Kishori- अरे पहले साफ़- साफ़ बता कि तूने कहाँ और कब देखा सीमा ने?

Mannu- अरे भईया हम जब मटके बिक्री करके आ रहे थे न.... तब रस्ते पड़नेवाले जंगल-झाड़ के इलाके मे देखा कि जैसे कोई पड़ा हुआ हो.... सामने जाकर देखे तो.... . ।

Kishori – अरे रे रे! के हो गयो ये... बेचारे अभागे! चल मन्नू! मैं भी तेरे साथ चलूँ बाबू के घर।

Mannu- हाँ- हाँ भईया आप भी चलो मेरे संग ।

Kishori- हाँ चल ।

Mother- अब तू ही बता बिटिया! ऐसे में तूझे कैसे भेजूं कहीं बाहर..?

Daughter- माँ अब इसका मतलब क्या मैं कभी नौकरी ना कर पाऊँगी? तुम ही बताओ फिर कि आज जो तुम आटा-दाल के बिना ईस तरह तड़पो हो... ऐसी हालत से कभी निकल पाओगे?

Mother- देख ऐसा है.... हमें सालों-साल ऐसे रहना मंजूर है... पर अपने बच्चे की जान खतरे में डालना ना ।

Daughter- माँ पर....

Mother- बस बेटा... अब और बहस मत कर! हाथ जोड़ू तेरे!

<u>Scene-4</u>

(Narrator-सीमा की मौत की खबर ने मां बाप को तो मानो तोड़ कर ही रख दिया था, पर फिर भी थोड़ी हिम्मत जुटाकर वह लोग दरोगा से मिलने थाने गए)

(Scene setup in police station)

Baabu-कहां है दरोगा हमें उससे बात करनी है।

Sub inspector-का हुआ ?काहे चिल्ला रहे हो?

Baabu- हमें हमरी मौड़ी पड़ी हुई मिली है, हमें उसका हिसाब उस दरोगा से लेना है, बुला उसको....

Sub inspector-जरा संभल के बात कर, बुलाता हूं साहब को अब वही तुम्हें बताएंगे।

(देशवाल भागते हुए)

Inspector- क्या हुआ देशवाल ?ऐसे हाफ क्यों रहा है तू?

Sub inspector-साहब वह गांव वाले आए हैं उन लोगन ने सीमा की लाश मिली है।

Inspector-अच्छा!चल देशवाल देखते हैं।

Rajjo-देखो साहब आप लोगन की लापरवाही का नतीजा...हमारी मौड़ी मारी गई...... ये सब आप लोगन की गलती है।

Inspector-अरे! तेरी इतनी हिम्मत! दारोगा के ऊपर ही इल्जाम लगावे... तेरा लड़का तो था ही नक्सली और तेरी लड़की भी 1 महीने पहले घर से भागी हुई थी, और हमें बोल रही है तू!!

Rajjo- साहब मोरा बेटा आप जैसन लोगन की वजह से घर से भाग गयो और नक्सलियों के साथ मिल गयो आप लोगन के इस बर्ताव की वजह से हम गरीब लोगन के साथ ऐसा होतो आयो है..... मोरा बेटा भी गयो मोरी मौड़ी भी गई।

(Sub inspector and inspector whispering)

Sub inspector-साहब, कल तो इलेक्शन भी है।

Inspector-मुझे तो कुछ समझ ना आ रहा!

Sub inspector-मेरे पास एक सुझाव है, जिसने लाश के बारे में बताया है उसे जेल में डाल दो इससे गांव वाले थोड़े समय के लिए शांत हो जाएंगे... उससे कुछ न कुछ निकलवा ही लेंगे।

Inspector- हाँ ये सही है देशवाल.... ऐसा ही करते है।

(Inspector asking to the villagers)

Inspector-इस लाश को सबसे पहले किसने देखा है?

Mannu-साहब मन्ने देखा है।

Inspector-जल्दी से जेल में डाल इसने देशवाल !

Sub inspector- हां साहब... चल जल्दी! सारा बखेड़ा तेरा करा कराया है।

Mannu-अरे! साहब! मन्ने कुछ नहीं किया मन्ने छोड़ दो!

Baabu- अरे! साहब इसको काहे पकड़ रहे हो? इसने का किया है? अगर आपको किसी को पकड़ना हैं तो असली अपराधी को पकड़ो!

Rajjo-यहां सब झूठे हैं! ...गरीबों के दुश्मन बने पड़े हैं!

Baabu – रज्जू ना रो, मत गिड़गिड़ा इन लोगन के सामने ! बस कर अब! अब तो कुछ भी ना हो सके... .

Rajjo: अजी कैसे ना रोऊँ... दोनों बार कुछ एसा खोया है हमने... . जो कभी वापस ना मिल सके... जो आखिरी सहारा था हमारा जी... ..

Baabu- बस कर री.. बस कर... .

Narrator:

सोचिये कि आप बीच समंदर में फसे हुए हैं...... . दूर दूर तक कोई नहीं जो आपकी चीख- पुकार सुन पाए.... . . कुछ एसी ही हालत होती है रज्जो जैसे आदिवासी गाँव में रहने वालों के साथ... . . जहाँ कोई उनकी अर्जी सुनने को तैयार नहीं...सोचने वाली बात है कि आखिर ऐसा क्यूँ है कि इन लोगों की परेशानियां आसानी से भुला या दबा दी जाती है?.... क्यू समाज का ये हिस्सा समाज से कटकर रह जाता है?

हम सबने अभी देखा कि इसकी वजह क्या है....

इन पुलिसवालों की तरह न जाने और कितने और आला-अफसर हैं जो इन पिछड़े और असहाय लोगों की दलीलें अपनी फ़ाइलों में दबाकर रख देते हैं । और शायद यही वजह है कि रज्जो और बाबू के बेटे जैसे कई और युवा नक्सलवाद जैसे गलत रास्ते पर चलने को मजबूर कर देता है। आखिर में ये रास्ता भी उनकी ही जिंदगी बर्बाद करके रख देता है।

हम और आप जैसे लोग अक्सर समाज की इन कहानियों से रुबरु नहीं हो पाते.... . इसलिए आज हमारा यही मकसद था कि इनके जीवन के कुछ संघर्ष से भरे पल दिखा सके... .ताकि हमे अपने समाज के हर एक अंग के बारे में पता हो... .

हम भी आपको इनकी दर्द से भरी चीख की गूँज सुनाना चाहते थे.. ।

धन्यवाद!!